विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - द्वितीय विषय - हिंदी

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 25 - 08- 2021

ईमानदारी का फल

सुप्रभात बच्चों ,

आज की कक्षा में आपको नन्हा चांद कविता के बारे में अध्ययन करना है , जो इस प्रकार है।

शब्दार्थ :-

नन्हा – छोटी

प्रकाश – रोशनी

वायु – हवा

धरती – पृथ्वी

नामक - नाम से

खुद - अपनी

गर्मियों की रात थी। साबिर और सना अपने अब्बू और अम्मी के साथ छत पर बैठे थे। आकाश में चाँद निकला। गोल–गोल थाली जैसा। सना और साबिर चाँद को देखते ही खुश होकर तालियाँ बजाने लगे।

साबिर ने सना से कहा, ''देखो, चाँद कैसे चमक रहा है। वहाँ कौन रहता होगा?''

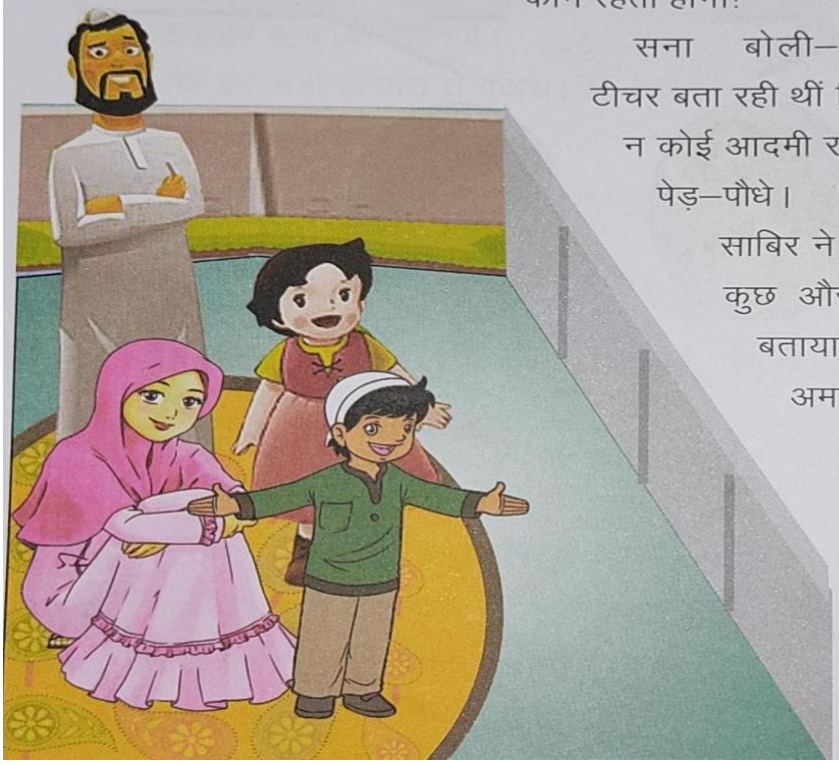

सना बोली–मेरी टीचर बता रही थीं कि चाँद पर न कोई आदमी रहता है, न पशु–पक्षी और न ही पेड़–पौधे।

साबिर ने अब्बू से कहा, ''चाँद के बारे में कुछ और बताइए न अब्बू।'' अब्बू ने बताया–''चाँद पर पहुँचने वाला पहला अमरीकी यात्री आर्मस्ट्रांग था।''

सना बोली–अम्मी! आप क्या कह रही थीं? अम्मी बोली–''मैं यह बता रही थी कि चाँद हमारी धरती के चारों ओर चक्कर लगाता है।

अमेरीका से 1969 में अपोलो II नामक रॉकेट में बैठकर तीन लोग चाँद पर गए। वहाँ पहुँचकर वे खुशी से कूदे तो बहुत ऊँचे उछल गए।

उन्होंने चाँद की बहुत सी तस्वीरें लीं। जिनसे पता चला कि चाँद पर बड़ी–बड़ी चट्टाने और गड्ढ़े हैं। ये लोग चाँद पर से वहाँ की मिट्टी और चट्टानों के नमूने लेकर आए थे।''

साबिर ने पूछा–चाँद पर इतनी चमक कहाँ से आती है?

अब्बू ने बताया–चाँद को सूरज से प्रकाश मिलता है। इसका आधा भाग जो सूर्य के सामने रहता है वही चमकता रहता है। पृथ्वी के चारों ओर घूमने के कारण उसका कुछ चमकीला भाग ही हमें यहाँ से दिखाई देता है।

साबिर बोला–अब्बू! सूरज को रोशनी कौन देता है?

अब्बू बोले–सूरज की खुद की रोशनी है। तारों की भी अपनी रोशनी होती है। आसमान में जो तारे चमचमा रहे हैं ये सब हमारे सूरज की तरह ही हैं। ये हमसे बहुत दूर हैं इसलिए छोटे–छोटे दिखाई देते हैं।

अम्मी ने कहा–''अगले महीने ईद है, तब तुम्हें चाँद की कहानियाँ सुनाएँगे।''

गृहकार्य

दिए, गए अध्ययन सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें -

****

ज्योति